कोविड़ काल में बढ़ला समाज

युग-युगांतर से दुनियाँ के कई जगहों में और दुनियाँ भर ~~में~~ अनेक भयानक घटनाएं हुई हैं। इन घटनाओं में पूरी दुनिया को हिलाके रखने वाली सबसे बड़ी महामारी है कोविड 19. चीन से दुनियाँ भर फैलने वाला यह कोरोना वैरस ने दुनियाँ भर के लोगों के मन में भीत जगा दिया। लोगों को मृत्यू का डर तक होने लगा। इस महामारी ने इस तरीके में दुनिया में ऐसी हलचल मचा दिया कि यह काल जो कोविड काल कहा जाता है, लोग जिंदगी भर नहीं भूलेंगे।

समाज में कोविड काल का बहुत ज़्यादा असर हुआ। पूरी सामूहिक परिस्थिती ही परिवर्तन हो गया। जितना जन्म एक दिन बच्चों को होता है उससे कई गुणह ज़्यादा मृत्यू कोविड के कारण लोगों के हुआ। इसने लोगों के दिलों में भय और भीत ऐसे जगाया कि घरों के बाहर आंगन में निकलना ही मौत को बुलाने के समान हो गया। इस समय कुछ भी कार्य करने केलिए घर के बाहर

जाना या किसी भी बाहरी व्यक्ति से संपर्क करने की भी अनुमति नहीं थी। सरकार का आयोजन, - 'लोकडॉन' ने सम्मूहिक गती को ही बदल डाला।

लोकडॉन में जब लोग पूरे तरह घर के अंदर हो गए, उनकी मानासिक स्थिती ही बदलने लगी। बच्चों का विद्यालय और बड़ो का काम केलिए ऑफिस जाना रुक गया। काविड़ जब बस शुरु हुआ था तो लोगो को बस सावधान रहने की तकलीफ़ होती थी। जैसे मास्क और सानिटैसर का निरंतर उपयोग, अपनो से संपर्क न कर पाना जिन्हे कोविड हो गया हो। घर में बैठके आराम करना और स्कूल न जाना बच्चों के लिए बहुत खुशी की बात थी। तभी उनका मोबैल फॉन, और अन्य वस्तुओं का उपयोग बहुत बढ़ गया। लेकिन बड़ो के लिए पहले का वक्त बहुत मुशकिले से गुज़रा। उनके मन में यही डर था कि बिना काम किए पैसा नहीं मिलेगा और पैसो के बिना जीवन ही संभव नहीं है। समाज में यह फर्क बहुत बड़ी समस्या थी।

लोग न घरों में शांती से बैठ सकते थे अपने परिवारों की चिंता से न ही घर के बाहर जा सकते थे कोविड के भय से। इलकट्रोणिक उत्पन्नों का यहा भी बहुत उपयोग हुआ। आफिस में काम करने वाले फॉन, लेप्टोप आदि के माध्यम से अपने काम जारी रखे। और साथ में बच्चे भी ऑनलैन के ज़रिया अपनी पढ़ाई फिर से शुरु कर लिया जो कोविड के कारण अधूरा रह गया। जैसे मोबैल फॉन, लेप्टोप, कम्प्यूटर जैसे वस्तुओं का उपयोग तेज़ी से बढ़ गया।

ऑनलैन पढ़ाई कुछ बच्चों कैलिया मुशकिल साबित हुआ। जैसे की अपने ही घरवालों से रिश्ता कमज़ोर होना मोबैल फॉन के अनाधिकृत उपयोग के कारण। बच्चे फॉन में दूसरे मनोरंजन में इतना खो गए की पढ़ाई ही भूल गए। धीरे-धीरे समाज के सारे बच्चे और बड़े, फॉन का गुलाम बन गए। पढ़ाई और काम के कारण हर व्यक्ति के पास कोई न कि इलकट्रोणिक वस्तु और इंटरनेट तो ज़रूर था। इसके कारण हमारे समाज ही पूर्ण

रूप में इनके गुलामी में आ गया। यह ही कोविड़ काल में समाज का सबसे बड़ी समस्या थी। घरों के लिए आवश्यक सामानों को खरीदने के लिए. खाना खरीदने के लिए तक पैसा, मोबैल फोन और इन्टरनेट ही काफी था। अपनी जगह से हिलने की भी ज़रूरत नही थी। ऐसे लोग बहुत अधिक आलसी बन गए। यहा तक शादी भी लोग ऑनलैन करने लगे। दुनिया भर में जब लोग कोविड के कारण मर रहे थे तब भी कुछ जानने की कोशिश तक लोगों ने नही किया। समाज का ऐसा रूप देखने केलिए तो कोई भी तैयार नही था लेकिन इस समय से गुज़रना ही था।

महामारी के भीत से समाज के अन्य लोगों से बातचीत करना ही रुक गया। सभी लोग अपने काम से काम रखने लगे। कोई भी किसी की भी कदर नही करते थे। अपनी सुरक्षा के लिए एक दूसरे में शारीरिक रूप से ही नही मानसिक रूप से भी दुरी हुई। जब कोविड का भीत धीरे-धीरे थोड़ा कम हुआ, दो सालों बाद

जब सारे ऑफिस, विद्यालय आदि खुले तो भी एक दूसरे से अच्छी तरह बातचीत करना लोगो के लिए मुश्किल साबित हुआ। एक वैरस के कारण दो सालो में समाज मे आये छोटे-मोटे बदलावो का इस व्यक्ति पे कैसा असर हुआ कि आगे की पीढ़िया में भी वह बदलाव दिखेंगे।

कोविड़ काल में पैदा हुए छोटे बच्चों के स्वभाव स्वीकरण और व्यक्तित्व ही उनके कोविड काल के जीवन शैत पर निर्भर है। एक वैरस जो चरित्र में सबसे बड़ा महामारी कहलाएगा इसी वैरस से ही समाज में हुए सबसे बड़े बदलावो का आधार है। सांस्कारिक, सामूहिक पढ़ाई, आदि इस रूप में कोविड ने बदलाव लाया है।

लेकिन जो कुछ भी हुआ है उन सबका असर सिर्फ बुरा नही है। एक घटना होता है तो उसका असर अच्छा और बुरा होता है। कोविड में हमे इस जीज़ की मूलय क्या होती है यह सिखाया है। जैसे बच्चे हमेशा स्कूल जाना पसंद नही करते थे पढ़ाई के कारण, लेकिन

कोविड़ के समय हर बच्चे ने अपने विद्यालय, अद्ध्यापको और दोस्तो का मूलय समझा है। घर पे आराम से बैठना ~~भी~~ उल्लास नहीं की बात नहीं होती। कोविड़ के भय से लोगो को अपने जीवन की मूलय का भी एहसास हुआ। लोकडौण के कारण घरवाले आपस में एक दूसरे को समझे और करीब आने लगे। एक दूसरे के बीच का रिशता और ज़्यादा मज़बूत हो गया। कुछ लोगो को अपने प्यार करने और कदर करने वाले लोगो को ~~न~~ खो दिया।

दुनियाँ भर महामारी के रूप में आकर हलचल मचा देने वाला कोविड़ 19 ने समाज को बहुत कुछ सिखाया है। कोविड ने दो सालो में पूरी दुनिया को ऐसा पाठ सिखाया जो कुछ भी एक जीवनकाल मे नही सिखा पाएगा। धीरे ही रही सब कुछ पहले जैसा हो रहा है पर कोविड ने कुछ ऐसे बदलाव लाए जो ~~कभी~~ इतिहासिक रहेगा। छोटे-छोटे कदम ही बड़े परिवर्तन बनते हैं। हर एक परिवर्तन मानव जीवन केलिए एक सीख होती है।